

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 22 October 2026

रत्नप्रभा बेल्हेकर : छोटे से व्यवसाय से 6,300 महिलाओं के आत्मनिर्भरता अभियान तक

Sanket Morankar

Published on 21 Oct 2026



छोटे व्यवसाय से शुरू हुआ आत्मनिर्भरता का सफर

अपनी मेहनत से आगे बढ़ते हुए दूसरी महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने की राह दिखाना समाज के लिए महत्वपूर्ण योगदान है। रत्नप्रभा बेल्हेकर ने अपने व्यावसायिक अनुभव और सामाजिक प्रतिबद्धता के बल पर इसी दिशा में एक प्रेरणादायी पहल की है। उनका सफर वर्ष 1997 में शुरू हुआ, जब उन्होंने परिवार की आर्थिक जरूरतों में सहयोग देने के लिए घर से ही मेस और मोतियों के आभूषण बनाने का व्यवसाय शुरू किया।

धीरे-धीरे उनका काम आगे बढ़ा। इसी दौरान उन्होंने महसूस किया कि अनेक महिलाओं के पास हुनर और कुछ नया करने की इच्छा तो होती है, लेकिन पूँजी, प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और बाजार तक पहुँच न होने के कारण वे अपना व्यवसाय शुरू नहीं कर पातीं। महिलाओं की इस चुनौती को समझते हुए उन्होंने अपने अनुभव को दूसरों के लिए अवसर में बदलने का निर्णय लिया।

जागृति फाउंडेशन की स्थापना : महिलाओं को स्वावलंबन की दिशा

महिलाओं को घर और परिवार की जिम्मेदारियों के साथ अपनी आजीविका विकसित करने का अवसर मिले, इस सोच के साथ रत्नप्रभा बेल्हेकर ने 19 सितंबर 2015 को छह सहेलियों के साथ मिलकर 'जागृति फाउंडेशन' की स्थापना की।

संस्था का उद्देश्य महिलाओं को ऐसे कौशल सिखाना है, जिनके आधार पर वे अपना छोटा व्यवसाय शुरू कर सकें और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ें।

‘आप हाथ बढ़ाइए, हम साथ देंगे’—संस्था का यह ध्येयवाक्य उसके कार्य की भावना को व्यक्त करता है। फाउंडेशन केवल प्रशिक्षण देने तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक संसाधन और अपने उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में भी काम करता है।

निःशुल्क प्रशिक्षण से व्यवसाय तक का सहयोग

किसी महिला को कौशल सिखाना आत्मनिर्भरता की दिशा में पहला कदम है। लेकिन उस कौशल को नियमित आय के स्रोत में बदलने के लिए कच्चा माल, उपकरण, मार्गदर्शन और ग्राहकों तक पहुँच भी जरूरी है।

जागृति फाउंडेशन की पहल में महिलाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण देने के साथ कच्चा माल, सिलाई मशीन और तैयार उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराने का प्रयास शामिल है। इस तरह महिलाओं को प्रशिक्षण से लेकर अपने काम को आगे बढ़ाने तक सहयोग देने की कोशिश की जाती है।

इस मॉडल की विशेषता यह है कि महिलाओं को केवल हुनर सीखने का अवसर ही नहीं मिलता, बल्कि उस हुनर को व्यावसायिक गतिविधि में बदलने के लिए भी प्रोत्साहन मिलता है। इससे वे अपनी परिस्थितियों और सुविधाओं के अनुसार काम शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं।

6,300 महिलाओं तक पहुँची आत्मनिर्भरता की पहल

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, जागृति फाउंडेशन की पहल से अब तक लगभग 6,300 महिलाएँ जुड़ी हैं और उन्हें निःशुल्क प्रशिक्षण दिया गया है। यह आँकड़ा संस्था के कार्य के व्यापक दायरे को दर्शाता है।

इस पहल का एक उल्लेखनीय उदाहरण महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के बार्शी में संचालित साड़ी-पेटीकोट यूनिट है। यहाँ की महिला किसानों ने ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद अपना व्यवसाय खड़ा किया है।

यह उदाहरण बताता है कि उचित प्रशिक्षण और मार्गदर्शन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएँ भी अपने कौशल को व्यवसाय में बदलने के अवसर तलाश सकती हैं। स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप काम चुनना और बाजार की जरूरतों को समझना ऐसे प्रयासों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

महिला सशक्तीकरण के साथ शिक्षा को भी प्राथमिकता

जागृति फाउंडेशन की सामाजिक पहल केवल महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण तक सीमित नहीं है। संस्था उपलब्ध जानकारी के अनुसार, 104 जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री और स्कूल फीस के लिए सहायता भी प्रदान करती है।

आर्थिक कठिनाइयों के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इस उद्देश्य से किया जाने वाला सहयोग शिक्षा के महत्व को रेखांकित करता है। शिक्षा बच्चों के भविष्य के अवसरों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जबकि परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार के प्रयास उनकी पढ़ाई जारी रखने में सहायक हो सकते हैं।

महिलाओं को कौशल और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा विद्यार्थियों की शिक्षा में सहयोग देने जैसी पहलें सामाजिक विकास के अलग-अलग पहलुओं को जोड़ती हैं।

रत्नप्रभा बेल्हेकर : अनुभव से समाजसेवा तक

रत्नप्रभा बेल्हेकर की यात्रा इस बात का उदाहरण है कि व्यक्तिगत अनुभव को सामाजिक बदलाव की पहल में बदला जा सकता है। घर से व्यवसाय शुरू करने के अनुभव ने उन्हें उन कठिनाइयों को समझने में मदद की, जिनका सामना कई महिलाएँ आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल करने के दौरान करती हैं।

जागृति फाउंडेशन के माध्यम से उनका प्रयास महिलाओं को कौशल, संसाधन और अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उनकी पहल का मूल विचार यह है कि महिलाओं को सही सहयोग मिले, तो वे अपनी क्षमता पहचानकर अपने लिए नए रास्ते बना सकती हैं।

आगे भी इस अभियान को व्यापक बनाने की उनकी प्रतिबद्धता महिला सशक्तीकरण, कौशल विकास और सामाजिक सहयोग के महत्व को सामने लाती है।

संपर्क विवरण

- **नाम :** रत्नप्रभा बेल्हेकर
- **पद :** संस्थापक, जागृति फाउंडेशन

- मोबाइल : 9049992598
- ई-मेल : rbelhekar6388@gmail.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.